आज़ादी का अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 14.11.2023 से 20.11.2023)

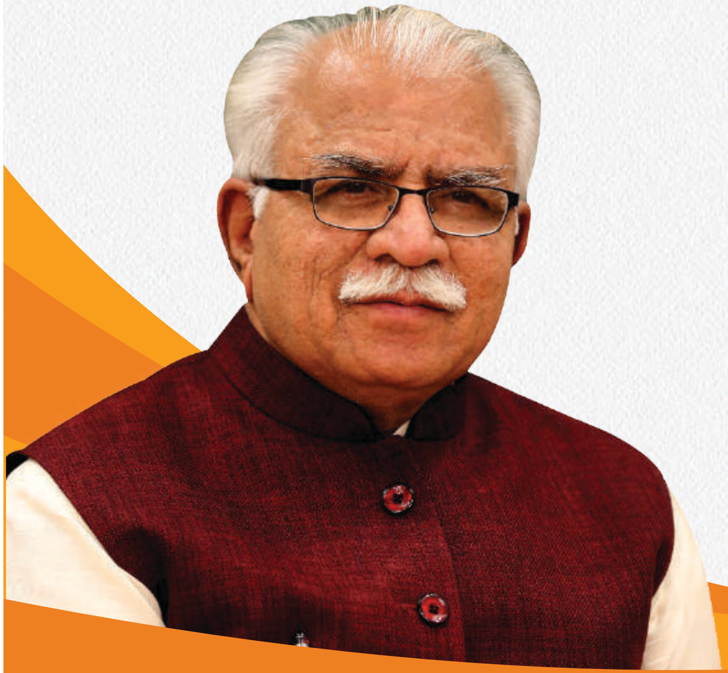

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से युवाओं से सीधा संवाद

(दिनांक 14.11.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने सीएम की विशेष चर्चा कार्यक्रम के तहत **ओडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 24 से 25 वर्ष आयु के युवाओं से सीधा संवाद कर उन्हें जीवन में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते हुए सफल होने का संदेश दिया।**

उन्होंने कहा कि युवा स्वयं पर विश्वास करें और सकारात्मकता बनाए रखें, जीवन में जो भी अवसर प्राप्त हों, उन अवसरों का लाभ उठा कर परिवार, समाज और राष्ट्र के उत्थान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। संवाद के दौरान उन्होंने युवाओं को जीवन में सफल होने के लिए एक 20 सूत्रीय मंत्र दिया।

इस आयु वर्ग में मन में कई प्रकार के विचार उत्पन्न होते हैं, इसलिए जीवन में कुछ भी करने से पहले मन में अवश्य विचार करें। जीवन में एक शब्द सबके सामना आता है, वो है मुश्किल। हमें यह

मानना है कि मुश्किल कुछ भी नहीं है, बल्कि हमें उसे चुनौती मान कर उसका मुकाबला करना चाहिए, तभी हमें सफलता मिलती है। जीवन में बाधाएं आएंगी, लेकिन उन बाधाओं को पार करके आगे बढ़ना होगा। इस आयु में नशे की लत, आपराधिक संगति,

साप्ताहिक सूचना पत्र

दिशाहिनता, हिंसा इत्यादि गलत रास्तों की ओर मन जाने लगता है, इससे बचना है। स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अन्य को भी सकारात्मक दिशा की ओर प्रेरित करना है।

हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए। दिल में उमंग और मन में उत्साह होना चाहिए। जिंदगी में कुछ कर गुजरने की ललक होनी चाहिए। हताश होंगे, नेगेटिव सोचेंगे तो कभी भला नहीं होगा। जीवन में सकारात्मक सोच के लिये ज़रूरी है कि हम नियमित योग–व्यायाम करें, आदतें ठीक रखें और नई–नई चीजें सीखते रहें।

उन्होंने कहा कि आज के युवाओं में जागरूकता होनी चाहिए। आधुनिक डिजिटल इकॉनमी में तरक्क़ी के अंतहीन अवसर हैं। सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों की भी युवाओं को जानकारी होनी चाहिए और उनका सदुपयोग कर अपने आपको, परिवार को, समाज को और राष्ट्र को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग और सावधानी के संबंध में बताया कि आज सोशल मीडिया बहुत उपयोगी बन चुका है। लेकिन इसका इस्तेमाल शरारती लोग अफ़रा तफ़री फैलाने में भी करने लगे हैं। हमें उनके बहकावे से बचना है। हमें रास्ते से नहीं भटकना है।

उन्होंने कहा कि तरक़्क़ी के लिए दो तरह की करेन्सी इकट्ठी करें। पहला–परफ़ोर्मन्स करेन्सी। अपना काम लोगों की उम्मीद से थोड़ा बेहतर करें। इससे आपकी साख बढ़ेगी। दूसरा–रिलेशनशिप करेन्सी, लोगों से अच्छे सरोकार रखें, टीम प्लेयर होकर ही आप जिंदगी में कुछ बड़ा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मन में समाज को कुछ देने की सोच रखें। लोगों से मेलजोल, बातचीत रखें। मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि समय और पैसे के बीच समय को महत्व दें। स्वयं पर विश्वास करें, सकारात्मकता बनाये रखें, उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाकर कारगर और ज़िम्मेवार नागरिक बनें।

साप्ताहिक सूचना पत्र

अनाधिकृत कॉलोनियां हुई नियमित

(दिनांक 17.11.2023)

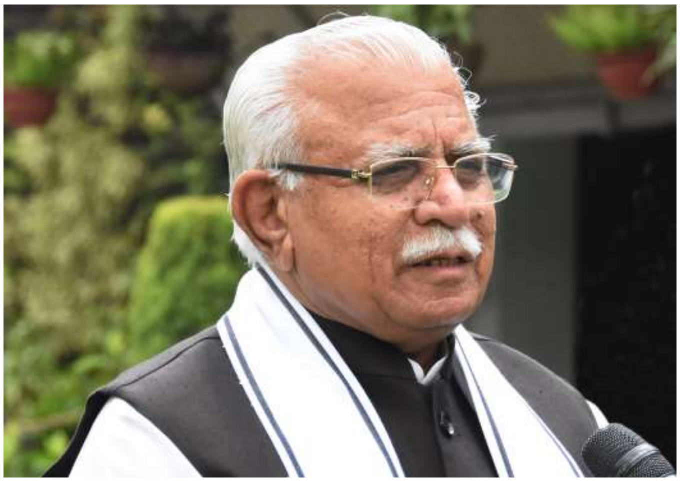

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व व कुशल प्रशासक के रूप में उनके मार्गदर्शन के अनुरूप विगत 9 वर्षों में हरियाणा में संस्थागत शहरी विकास की ओर अग्रसर हुआ है। भविष्य की लक्षित जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक और संस्थानों के अनुपातिक कॉलोनियों के विकास की योजना तैयार कर कॉलोनियों के निवासियों के लिए मूलभूत आवश्यकताएं व अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी कड़ी में वर्षों से स्थापित अनाधिकृत कॉलोनियों के निवासियों की आवश्यकताओं के दृष्टिगत मनोहर सरकार ने बड़ी राहत देते हुए ऐसी कॉलोनियों को नियमित करने की कवायद शुरू की। माननीय मुख्यमंत्री जी के **निर्देशानुसार शहरी स्थानीय निकाय तथा नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के द्वारा न केवल अनाधिकृत कॉलोनियों को नियमित किया गया है बल्कि इन कॉलोनियों में ढांचागत विकास के लिए 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भी प्रावधान किया है,** जिससे कॉलोनियों के निवासियों को बिजली व पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं प्रदान होंगी। हरियाणा में वर्षों से पालिकाओं की जमीन पर बने मकानों और दुकानों की मलकीयत न होने से व्यक्तियों को कई समस्याओं व कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। उनकी कठिनाईयों को समझते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक नई नीति बनाने पर विचार किया।

साप्ताहिक सूचना पत्र

छठ पूजा महोत्सव

(दिनांक 17.11.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने पानीपत में आयोजित छठ पूजा महोत्सव में शिरकत की। माननीय मुख्यमंत्री जी ने **इस पावन अवसर पर माताओं, बहनों और बेटियों सहित प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभ कामनाएं देते हुए सभी को छठ पूजा के पावन पर्व की हार्दिक बधाई दी।** उन्होंने कहा कि आज छठ पूजा का यह पवित्र पर्व राज्य भर में लगभग 300 स्थानों पर मनाया जा रहा है, जिसमें लगभग 5 लाख लोग भाग ले रहे हैं। भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए **उन्होंने पूर्वांचलवासियों को महत्वपूर्ण सौगात देते हुए छठ पूजा के लिए समर्पित** तीन घाटों के निर्माण की घोषणा की। इनके निर्माण पर 5 करोड़ रुपये की राशि खर्च की

साप्ताहिक सूचना पत्र

जाएगी। उन्होंने कहा कि छठ पूजा हेतु साफ पानी के लिए अवलाना डिस्ट्रीब्यूटरी पर 2 करोड़ रुपये की लागत से 700 फीट के घाट, असंध रोड पर थर्मल चौनल के पास 1 करोड़ रुपये की लागत से 300 फीट के घाट और बाबरपुर पुल के पास ड्रेन नंबर 2 पर 2 करोड़ रुपये के साथ 300 फीट का एक अन्य घाट का निर्माण किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने **महराना गांव की भूमि पर दो नहरों के बीच सूर्य मंदिर के निर्माण की भी घोषणा की।** इस उद्देश्य के लिए गांव की जमीन के हस्तांतरण का कार्य प्रक्रियाधीन है।

उन्होंने इस उद्देश्य के लिए भूमि के सफल हस्तांतरण के बाद बनने वाले **सूर्य मंदिर के लिए 21 लाख रुपये के स्वैच्छिक अनुदान की भी घोषणा की।** उन्होंने कहा कि आपका परिश्रम और विशेषज्ञता राज्य में उद्योगों को बनाए रखने और कृषि विकास को बढ़ावा देने में सहायक रही है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

1588 संपत्ति मालिकों को विकास शुल्क लौटाएंगी नगर पालिकाएं

(दिनांक 20.11.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी के आदेशानुसार शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने बताया है कि सरकार ने उन संपत्ति मालिकों को विकास शुल्क लौटाने का फैसला लिया है जिनकी संपत्तियों पर विकास शुल्क लागू नहीं होता लेकिन उन्होंने इसे अदा कर दिया था। सरकार ने यह निर्णय मामला संज्ञान में आने पर लिया है। इस फैसले से **1588 संपत्तियों के मालिकों को यह शुल्क वापिस मिलेगा।**

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा संबंधित नगर पालिकाओं को ऐसी संपत्तियों का विवरण उपलब्ध करवा दिया गया है।

प्रवक्ता ने कहा कि इन संपत्ति धारकों को एसएमएस के माध्यम से भी सूचना दी गई है कि वे इस संदर्भ में निर्धारित प्रावधानों के तहत एनडीसी पोर्टल पर आवेदन करके अदा की गई विकास शुल्क की राशि को वापस प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार के **संपत्ति धारकों को कुल 5 करोड़ 19 लाख रुपए की राशि वापस की जा रही है।** उन्होंने संपत्ति मालिकों से आग्रह किया कि वे https:@ ulbhryndc.org पर जाकर अपना सम्बन्धित विवरण उपलब्ध करवाएं ताकि इस बारे में विभाग द्वारा आगामी कार्यवाही की जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि अब तक 51 संपत्ति धारकों ने अपने आवेदन एनडीसी पोर्टल पर किए हैं। जल्द इन आवेदनों को प्रोसेस किया जाएगा।

विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय परिसर का लोकार्पण

(दिनांक 20.11.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने सोमवार को पलवल जिला के दुधौला गांव में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के नवनिर्मित परिसर का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह में उन्होंने अपने शुभ संदेश में कहा कि आज पूरी दुनिया में **भारत का युवा कौशल विकास के बलबूते अपना प्रभाव स्थापित कर रहा है और हरियाणा कौशल विकास के क्षेत्र में अपनी अतुलनीय भूमिका निभा रहा है।** उन्होंने कहा कि देश का पहला कौशल विश्वविद्यालय पलवल जिला में शुरू किया गया है और यह हमारे लिए गौरव की बात है कि इस विश्वविद्यालय की बेहतर प्लेसमेंट भी हो रही है और युवा यहां से कौशल विकास से आत्मनिर्भर होकर स्वरोजगार भी अपना रहे हैं। युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना देश के लिए सबसे बड़ी

साप्ताहिक सूचना पत्र

चुनौती है। पहले शिक्षा एक माध्यम होता था हमने शिक्षा का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए शिक्षा को कौशल से जोड़ते हुए रोजगार के मार्ग युवा शक्ति के लिए प्रशस्त किए। उन्होंने कहा कि इस कौशल विश्वविद्यालय में तीन दर्जन से अधिक कोर्स चल रहे हैं जो युवाओं के कौशल विकास में अहम हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के युवा को **सही कौशल विकास से जोड़ने के लिए शुरू किए गए इस विश्वविद्यालय के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये का अनुदान सरकार की ओर से मंजूर किया गया है जिसमें अब तक 357 करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च हो चुके हैं और जल्द ही सरकार की ओर से विश्व विद्यालय प्रबंधन के अनुरोध पर 150 करोड़ रुपये की राशि जल्द जारी कर दी जाएगी।** उन्होंने कहा कि कौशल विकास की दिशा में हरियाणा सरकार अपना अहम रोल अदा कर रही है। सरकार ने युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए हरियाणा कौशल विकास निगम व विदेश सहयोग विभाग का गठन किया है। इन

निगम के माध्यम से अलग अलग औद्योगिक इकाइयों के साथ एमओयू करते हुए युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोले हैं।

उन्होंने कहा कि श्री **विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बना हुआ है।** उन्होंने खुशी जताई कि आज उन्होंने विश्वविद्यालय में तक्षशिला प्रशासनिक भवन से 10 ब्लॉक का लोकार्पण किया है, जिनमें 6 शैक्षणिक ब्लॉक में 69 क्लासरूम हैं और **अधिकतर स्मार्ट क्लास रूम, कंप्यूटर लैब, प्रशासनिक भवन, एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है। सीएनसी लैब, सोलर लैब, एडवांस्ड इलेक्ट्रिक लैब, इलेक्ट्रॉनिक लैब, वेल्डिंग लैब भी उद्घाटन में शामिल हैं।**

उन्होंने कहा कि छात्र–छात्राओं के लिए छात्रावास भी परिसर में बन कर तैयार हैं,जिनमे 500–500 बेड की व्यवस्था की गई हैं।

वीरांगना झलकारी बाई की जयंती

(दिनांक 20.11.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में निरंतर समाज के संत महापुरुषों और वीर वीरांगनाओं की जयंतियां सरकारी स्तर पर मनाने की दिशा में शुरू की गई संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार प्रसार योजना के तहत आज जिला पलवल में रानी लक्ष्मी बाई की सेनापति रही झलकारी बाई की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उन्होंने **प्रदेश की जनता की ओर से झलकारी बाई को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।**

पलवल के आगरा चौक पर स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का नाम झलकारी बाई के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा उन्होंने **पलवल के मोहन नगर के वार्ड नंबर–4 में कोली समाज के एक भव्य भवन का निर्माण किये जाने की भी घोषणा की।**

इस भवन में झलकारी बाई की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी, जिससे भावी पीढ़ी को इनकी गाथाओं से अवगत करवाया जा सकेगा। इस पर लगभग 3 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि

साप्ताहिक सूचना पत्र

आज का दिन बहुत ही गौरव का दिन है, जब वीरांगना झलकारी बाई की जयंती मनाई जा रही है, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसकी जानकारी ही नहीं है। उन्होंने कहा कि सन् 1857 में वीरांगना झलकारी बाई झांसी की रानी की हमशक्ल थी और वे महिला सेना की सेनापति थी, जिन्होंने अपने शौर्य से झांसी की रानी की जान बचाने और देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। झलकारी बाई का जन्म 22 नवंबर, 1830 में हुआ था। उन्होंने कहा कि भारत में अनेक अनसंग हीरोज हुए हैं, जिनसे इतिहास भरा पड़ा है। लेकिन उनका नाम पिछली कई सरकारों ने आगे नहीं बढ़ाया। परंतु माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने ऐसे अनसंग हीरोज के नाम को जीवित रखने का बीड़ा उठाया। इसी कड़ी में **माननीय प्रधानमंत्री जी ने वीरांगना झलकारी बाई के नाम से डाक टिकट भी जारी किया था।** उनकी प्रेरणा से ही हरियाणा में भी हमने संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार प्रसार योजना चलाई। जिसके तहत संत–महापुरुषों की जयंतियां व शताब्दियों सरकारी स्तर पर मनाने की पहल की।

साप्ताहिक सूचना पत्र

ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ सीधे संवाद

(दिनांक 20.11.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज यहां सीएम की विशेष चर्चा कार्यक्रम के तहत ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ सीधे संवाद कर कहा कि वर्तमान में प्रदेश में कुल 23,486 आंगनवाड़ी वर्कर्स, 489 मिनी आंगनवाड़ी वर्कर्स व 21,732 आंगनवाड़ी हेल्पर्स कार्यरत हैं। उन्होंने **आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को बड़ी सौगात देते हुए मासिक मानदेय में बढ़ोतरी, सेवानिवृति पर मिलने वाली राशि में वृद्धि करने सहित कई घोषणाएं की।**

उन्होंने 10 वर्ष से अधिक अनुभव वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का पारिश्रमिक 12,661 रुपये से बढ़ाकर 14,000 रुपये प्रति माह करने की घोषणा की।

इसके साथ ही, 10 वर्ष तक के अनुभव वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मिनी–आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का पारिश्रमिक 11,401 रुपये से बढ़ाकर 12,500 रुपये प्रति माह तथा आंगनवाड़ी सहायिकाओं का पारिश्रमिक 6,781 रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये किया गया है। इस घोषणा के साथ ही हरियाणा देश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सर्वाधिक मानदेय देने वाला राज्य बन गया है।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने **सेवानिवृत्ति पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दी जाने वाली 1 लाख रुपए की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपए करने और आंगनवाड़ी सहायिकाओं को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये करने की भी घोषणा की है।**

वर्तमान में आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृति पर 1 लाख रुपये तथा आंगनवाडी सहायिकाओं को 50 हजार रुपये का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने

साप्ताहिक सूचना पत्र

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं को प्रति वर्ष दो वर्दी (यूनिफॉर्म) के लिए दी जाने वाली राशि 800 रुपये को बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिवर्ष करने की भी घोषणा की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार मौजूदा आंगनवाड़ियों को परिवर्तित करके 4000 अतिरिक्त बाल वाटिकाएं स्थापित कर उन्हें गांव के सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करेगी, ताकि प्री–स्कूल (नर्सरी) शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार स्कूली शिक्षा में एकीकृत किया जा सके। इसे सरकारी स्कूलों में कमरों की उपलब्धता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहले ही 4000 आंगनवाड़ियों को प्ले–वे स्कूल या बाल वाटिका स्थापित की जा चुकी हैं। अब आंगनवाड़ियों की मांग है कि ऐसी और

साप्ताहिक सूचना पत्र

आंगनवाड़ियों को बाल वाटिका में परिवर्तित किया जाए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिए जाने वाले पारिश्रमिक में 60 प्रतिशत हिस्सा भारत सरकार द्वारा तथा 40 प्रतिशत हिस्सा हरियाणा सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है। उक्त राशि के बाद बढ़ाया गया सारा मानदेय को हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हर शिशु के पालन पोषण करने का ज़िम्मा आप सबने अपने कंधों पर उठाया है, यह बहुत सराहनीय कार्य है। बच्चों को संस्कारवान, ज्ञानवर्धन करने और बलशाली बनाने के लिए 3 पहलू बेहद आवश्यक है। पहला पोषण, दूसरा टीकाकरण और तीसरा स्वछता। स्वास्थ्य का सीधा संबंध पोषण से नहीं बल्कि खाने से पहले स्वच्छता रखने से भी है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रखना, यह भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की जिम्मेवारी है।

इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को एक और राहत देते हुए निजी परिसरों में चल रहे आंगनवाड़ी भवनों के किराए में भरी बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। उन्होंने तीन दिन पहले ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कई सौगातें दी हैं। आज एक और मुख्य घोषणा करते हुए उन्होंने **ग्रामीण क्षेत्रों की आंगनवाड़ियों के निजी भवन का किराया न्यूनतम 200 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए तथा शहरी क्षेत्रों में 1500 रुपए से बढ़ाकर 2000 रुपए प्रति माह करने का ऐलान किया है।**

गोपाष्टमी पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

(दिनांक 20.11.2023)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी सोमवार को गोपाष्टमी के पावन अवसर पर जिला **पलवल के होडल क्षेत्र में स्थित गौ सेवा धाम परिसर में पहुंचकर गौ पूजन किया और बहुमंजिला गौ सेवा हॉस्पिटल की आधारशिला रखी।** उन्होंने गौ सेवा धाम की व्यवस्था का अवलोकन करते हुए प्रदेश के हर नागरिक की खुशहाली, स्वस्थ व सुखद जीवन की कामना की। माननीय मुख्यमंत्री जी ने गोपाष्टमी पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हर जीव के प्रति सेवा भाव का दिन है, ऐसे में गौ सेवा से जुड़ी संस्थाओं के लिए ज्यादा से ज्यादा दान देना चाहिए। हमें गौधन को बचाने के लिए उसकी उपयोगिता को बढ़ाना होगा। उन्होंने खुशी जताई कि उन्हें गौ सेवा धाम आने का अवसर मिला, ऐसे में

वे अपने आप को धन्य समझते हैं। उन्होंने **गौ सेवा धाम के संचालन के लिए देवी चित्रलेखा की सरहाना की और अपने कोष से 21 लाख रुपये सेवा धाम को देने की घोषणा की।** उन्होंने कहा कि गौधन के संरक्षण और संवर्धन के लिए देश और प्रदेश की सरकार कृत संकल्प है। साथ ही गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार और गौसेवा आयोग प्रभावी रूप से काम कर रहा है। सरकार द्वारा गौ सेवा आयोग के बजट में 10 गुणा बढ़ोतरी करते हुए मौजूदा बजट 400 करोड़ रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि गौ सेवा से जुड़े संस्थान हमेशा आपसी सहयोग से चलते हैं, जिनके लिए प्रत्येक नागरिक को आगे आकर सहयोग के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गौ सेवा से बढक़र कोई दूसरी सेवा नहीं है। प्रत्येक नागरिक को अपनी नेक कमाई में से कुछ हिस्सा निकालकर गौसेवा पर खर्च करना चाहिए। गऊओं के लिए दान देने से कभी धन नहीं घटता, बल्कि घर में समृद्धि और खुशहाली आती है।